कक्षा 6 हिन्दी
Class 6 Hindi Infosheet - 1

Bilingual Hindi-English Infosheet and Worksheet for Hindi

मातृभूमि (कविता)/Maatrubhumi (Poem)

कवि: सोहनलाल द्विवेदी /*Poet: Sohanlal Dwivedi*

जानो इस पाठ की हिन्दी! Get to know this lesson's Hindi!

शब्दार्थ - Meanings

- मातृभूमि (Maatrubhoomi) = Motherland, स्वदेश (swadesh)
- हिमालय (Himalaya) = Mountain ranges of Northernmost India, हिमगिरि (himgiri)
- मलय पवन (Malay Pawan) = southern mountain breeze, दक्षिण पवन (dakshin pavan)
- अमराई (Amrai) = Mango grove आम का बाग (aam ka baag)
- पुनीत (Puneet) = Sacred / Pure पवित्र (pavitra)
- सुयश (Suyash) = fame / Glory प्रसिद्धि (prasiddhi)
- चरण (Charan) = Feet, पैर (pair)
- पग (pug) = Feet, पैर (pair)
- गौतम (Gautam) =Buddha, भगवान बुद्ध (bhagvaan Buddh)
- छहर (chhehar) = to spread, बिखराना (bikhraanaa)
- जगमग (Jagmag) = Sparkling, चमकीला (chamkeela)
- झरने (Jharne) = Waterfalls, निर्झर (nirjhar)
- आकाश (Aakaash) = Sky, गगन (gagan)
- पहाड़ी (pahaadi) = Mountain, पर्वत (parvat)
- प्रकृति (Prakriti) = Nature, कुदरत (kudrat)
- त्रिवेणी (Triveni) = Confluence of 3 rivers, तीन नदियों का संगम (teen nadiyo*n* ka sangam)
- सिंधु (Sindhu) = Indian ocean, हिन्द महासागर (hind mahaasaagar)
- ऊँचा (Oo*n*chaa) = High, उच्च (uccha)
- छटा (chhataa) = Splendor, सुंदरता (sundartaa)
- भूमि (Bhoomi) = Earth, धरती (dhartee)
- पुण्य (Punya) = Sacred, पवित्र (pavitra)
- स्वर्ण (Swarna) = Golden, सुनहरा (suneharaa)
- जन्मभूमि (Janmabhoomi) = Birthplace, स्वदेश (swadesh)
- झाड़ी (jhaadi) = Bush, झुरमुट/झाड़ (jhurmut/ jhaad)
- रघुपति (Raghupati) = Lord Rama, राम जी (Raam jee)
- वंशी (vanshi) = Flute, बाँसुरी (Ba*n*suree)
- दया (Dayaa) = Mercy, करुणा (Karunaa)
- युद्ध (Yuddha) = War, संग्राम (sangraam)
- सँवारती (sa*n*waarti) = Decorates, सजाती (sajaatee)
- कर्मभूमि (Karmabhoomi) = Place to perform duties, कर्म-क्षेत्र (karma-kshetra)
- धर्मभूमि (Dharmbhoomi) = Holy place, धर्मस्थल (Dharmsthal)

LIVEWORKSHEETS

व्याख्या (vyaakhyaa) - Explanation

छंद १ - stanza 1
ऊँचा खड़ा .... झूमता है।

यह पंक्तियाँ भारत की विशालता और सुंदरता का वर्णन कर रही हैं। उत्तर दिशा में विशाल हिमालय पर्वत इतना ऊँचा है कि लगता है वह आसमान को छू रहा है, वहीं दक्षिण में विशाल समुद्र (सिंधु) भारत माता के चरणों में झुककर अपनी लहरों से झूम रहा है।

These lines describe the grandeur and beauty of India. In the north, the mighty Himalayan mountains stand so tall that they seem to touch the sky, while in the south, the vast Indian ocean (Sindhu) bows at the feet of the motherland, swaying gracefully with its waves.

छंद २ और ३ - stanza 2 and 3
गंगा यमुन .... छहर रही हैं। .... मातृभूमि मेरी।

यहाँ गंगा, यमुना और सरस्वती (त्रिवेणी) जैसी नदियाँ बहती हैं और हर कदम पर अद्भुत सुंदरता बिखेरती हैं। यह मेरी पवित्र, सोने जैसी समृद्ध, जन्म देने वाली और पूजनीय मातृभूमि है।

Holy rivers like Ganga, Yamuna, and Saraswati forming the Triveni flow gracefully, spreading breathtaking beauty at every step. This is my sacred land, my prosperous golden land, my birthplace, and my honored motherland.

छंद ४ - stanza 4
झरने अनेक .... झाड़ियों में।

पहाड़ियों से सुंदर झरने बह रहे हैं और झाड़ियों में चिड़ियाँ मस्ती में चहक रही हैं।
Streams of waterfalls flow down the hills, and birds chirp happily inside the lush bushes.

छंद ५ और ६ - stanza 5 and 6
अमराइयाँ घनी .... सवाँरती हैं। .... मातृभूमि मेरी।

आम के घने बागों में कोयल गा रही है और मलय पर्वत से आने वाली ठंडी हवा शरीर और मन को प्रसन्न कर रही है। कवि अपनी इस पवित्र भारतभूमि को अपनी धर्मभूमि, कर्मभूमि, जन्मभूमि और मातृभूमि मानते हैं।

Cuckoos sing in the dense mango groves, and the cool southern mountain breeze refreshes both body and soul. This sacred land is land of duty, action, birth, and motherland.

छंद ७ - stanza 7
जनमे जहाँ ... पुनीत गीता।

यह वही पवित्र भूमि है जहाँ भगवान श्री राम (रघुपति) और माता सीता का जन्म हुआ था, और जहाँ श्री कृष्ण ने मधुर बाँसुरी बजाई तथा श्रीमद्भगवद्गीता = (श्रीमत् + भगवत् + गीता) का ज्ञान दिया।

This is the sacred land where Lord Rama (Raghupati) and Goddess Sita were born, and where Lord Krishna played his divine flute and preached the holy teachings of the Bhagavad Gita.

छंद ८ और ९ - stanza 8 and 9
गौतम ने .... दिखाया। .... जन्मभूमि मेरी।

इसी भूमि पर महात्मा बुद्ध (गौतम) ने जन्म लेकर इसका मान बढ़ाया और दुनिया को दया एवं ज्ञान का दीपक दिखाया। यह भूमि धर्म-युद्ध की भी है और बुद्ध के शांति संदेश की भी।
It is the land where Gautam Buddha was born, teaching the world kindness and enhanced the its glory. It is both a land of righteous battle and the peaceful land of Buddha.

LIVEWORKSHEETS